संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की **बैठक दिनांक 19 अगस्त, 2020** को डा. बी.पी.मिश्रा, निदेशक, की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थिति निम्नानुसार रही:–

1.	डा. बी.पी. मिश्रा, निदेशक	अध्यक्ष
2.	डा. त्रिवेणी दत्त, संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक)	सदस्य
3.	डा. वी.के.गुप्ता, संयुक्त निदेशक (कैडराड)	सदस्य
4.	डा. महेश चन्द्र, संयुक्त निदेशक (प्रसार–शिक्षा)	सदस्य
5.	श्री राकेश कुमार, संयुक्त निदेशक (प्रशासन) एवं रजिस्ट्रार	सदस्य
6.	श्री एस.के. पाठक, वित्त नियंत्रक	सदस्य
7.	डा. ए. सान्याल, स्टेशन प्रभारी बेंगलूरू	आमंत्रित सदस्य
8.	डा. विश्व बन्धु चतुर्वेदी, प्रधान वैज्ञानिक	उपाध्यक्ष
9.	विभागाध्यक्ष, दैहिकी एवं जलवायुकी विभाग	सदस्य
10.	विभागाध्यक्ष, भैषज्य एवं विष विज्ञान विभाग	सदस्य
11.	विभागाध्यक्ष, पशुधन पुनरूत्पादन विभाग	सदस्य
12.	विभागाध्यक्ष, पारजैविकी विभाग के प्रतिनिधि	सदस्य
13.	विभागाध्यक्ष, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग	सदस्य
14.	विभागाध्यक्ष,जानपदिक रोग विज्ञान विभाग	सदस्य
15.	विभागाध्यक्ष, एल.ई.एस. विभाग	सदस्य
16.	प्रभारी, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंध	सदस्य
17.	प्रभारी, कृषि विज्ञान केन्द्र,	सदस्य
18.	प्रभारी, एटिक	सदस्य
19.	प्रतिकारीय विभाग के प्रतिनिधि	सदस्य
20.	जैवप्रौद्योगिकी विभाग के प्रतिनिधि	सदस्य
21.	डा.के.एन.काण्डपाल, मु.त.अ.,जैवसूचना प्रौद्योगिकी केन्द्र	सदस्य
22.	प्रभारी, पुस्तकालय अनुभाग,	सदस्य
23.	श्री सुबोध नीरज , वरि.प्रशा.अधि.	सदस्य
24.	श्री नसीर अहमद, सहा.प्रशा.अधि.	सदस्य
25.	श्री करूणेश शुक्ल, सहा.प्रशा.अधि.	सदस्य
26.	श्री बलवीर सिंह, सहा.प्रशा.अधि.	सदस्य
27.	श्री एस.पी. सिंह, सहा.प्रशा.अधि.	सदस्य
28.	श्री श्यामसुन्दर, सहा.प्रशा.अधि.	सदस्य
29.	श्री बद्री प्रसाद, सहायक	सदस्य
30.	श्रीमती एकता सिंह, तकनीशियन	सदस्य
31.	श्रीमती कंचन पवार,. तकनीकी प्रशिक्षु	सदस्य
32.	श्रीमती सुजाता जेठी, प्रभारी, राजभाषा अनुभाग	सदस्य,सचिव

बैठक में सर्वप्रथम डा. विश्वबन्धु चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष, सं.रा.का.स. ने अध्यक्ष महोदय एवं समिति सदस्यों का स्वागत किया। उन्होनें सभी समिति सदस्यों से आग्रह किया कि संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एवं हिन्दी की प्रगति के लिए सभी सकारात्मक रूप से कार्य करें। तत्पश्चात निदेशक डा. बी.पी. मिश्रा की अनुमति से बैठक की कार्रवाई प्रारंभ हुयी। बैठक में निम्न मदों पर चर्चा के बाद निर्णय लिए गये।

1. पिछली बैठक की कार्रवाई की पुष्टि:–

पिछली बैठक में लिए गये निर्णयों के अनुरूप की गई अनुवर्ती कार्रवाई के बारें में उपाध्यक्ष महोदय ने समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों को अवगत कराया। सभी ने पिछली बैठक की कार्रवाई की पुष्टि की।

2. धारा 3 (3) के अनुपालन पर चर्चा:–

डा. विश्व बन्धु चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने धारा 3(3) एवं राजभाषा के नियम (5) के अनुपालन के संबंध में समस्त विभाग/अनुभाग के प्रभारी/अधिकारियों को बताया। बैठक में संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ने आग्रह किया कि सभी विभाग/अनुभाग समय से त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट प्रेषित करें ताकि सभी रिपोर्टों को समेकित करके राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय को समय से भेजा जा सके।

कार्रवाई:– सभी विभाग/अनुभाग

3. पदों के भरने पर परिचर्चा :–

श्री राकेश कुमार, संयुक्त निदेशक (प्रशासन) ने कहा कि कोरोना के वजह से कार्रवाई नहीं हो सकी। उन्होनें आश्वस्त किया कि अगले दो–तीन महीनों में इस कार्य को पूरा कर लिया जायेगा।

कार्रवाईः– एमआरडीपीसी

4. 14 सितम्बर हिन्दी दिवस आयोजित करने के संबंध में चर्चा :–

हिन्दी दिवस मनाने के विषय में चर्चा हुयी। निदेशक महोदय का कथन था कि कोरोना महामारी के चलते इस वर्ष सभी कार्यक्रम वैब के माध्यम से किये जाये तथा सामजिक दूरी का पूर्ण रूप से पालन किया जाये। उन्होनें यह भी कहा कि एक छोटी आयोजन समिति का गठन किया जाये और रूपरेखा तैयार करके हिन्दी दिवस का आयोजन किया जाऐ।

कार्रवाईः– राजभाषा अनुभाग

5. सदस्यों के सुझावः–

श्री राकेश कुमार संयुक्त निदेशक (प्रशासन) का सुझाव था कि श्रुतिलेखन, टिप्पण–लेखन, निबन्ध आदि प्रतियोगिताएं आनलाईन की जा सकती हैं। डा. ज्ञानेन्द्र गौड़ का कथन था कि ओपन हैन्डेड निबन्ध, लोकगीत आदि प्रतियोगिताएं की जा सकती है। डा. हरेन्द्र कुमार ने कहा कि वाद–विवाद, व्याख्यान, काव्य–पाठ आदि प्रतियोगिताएं को भी किया जाना चाहिए। डा. एस.के. मेदिरत्ता, का कहा था कि वैब के माध्यम से एक दिन का व्याख्यान/वैबिनार का आयोजन किया जाये। डा. ए.बी. पाण्डेय एवं डा. दिनेश कुमार का कथन था कि जब ऑनलाईन प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेगी तो समस्त स्टाफ की सहभागिता बढ़ जायेगी। 14 सितम्बर, 2020 को आयोजित करने के सुझाव के अतिरिक्त डा. त्रिवेणी दत्त संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक) ने सुझाव दिया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा लागू राजर्षि टंडन एवं गणेश शंकर विधार्थी इत्यादि पुरस्कारों को प्राप्त करने के लिए राजभाषा अनुभाग नियत समय से पूर्व ही कार्रवाई सुनिश्चित करें। इसके लिए पहले से ही तैयारी कर लेनी चाहिए ताकि समय पर सभी अनुभागों से वांछित सूचना प्राप्त कर ली जाये। डा. ए.बी. पाण्डेय का सुझाव था कि संस्थान द्वारा प्रकाशित होने वाली स्मारिका में कविताओं और लेखों के अलावा वैज्ञानिक गतिविधियां और प्रशिक्षण कार्यकम को भी स्थान दिया जाये ताकि पत्रिका की गुणवत्ता और महत्व बढ़ सके और पत्रिका संबंधी पुरस्कार प्राप्त करना आसान हो सके।

निदेशक महोदय ने डा. संजय पाण्डेय एवं डा. काण्डपाल जी से आग्रह किया कि हिन्दी त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट के प्रोफार्मा को डिजिटिलाइज् करे जिससें सभी विभाग/अनुभाग समयानुसार प्रोफार्मा को भरकर प्रेषित कर सकें। राजभाषा अनुभाग अवार्ड के लिए प्रयायरत रहे ताकि ज्यादा से ज्यादा अवार्ड मिल सके। जिन विभागों/अनुभागों से तिमाही रिपोर्ट ठीक ढ़ंग से नहीं भरी जा रही है राजभाषा अनुभाग उनकी सहायता करे ।

अतं में डा. विश्वबन्धु चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष ने समस्त समिति सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापन दिया। इसके साथ ही बैठक का समापन किया गया।

21.9.2020

(सुजाता जेठी)
प्रभारी,राजभाषा अनुभाग

21/8/20

(राकेश कुमार)
संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

21/08/2020

(विश्वबन्धु चतुर्वेदी)
उपाध्यक्ष, सं.रा.का.स.

21/8/2020

(डा. बी.पी.मिश्रा)
निदेशक एवं अध्यक्ष, सं.रा.का.स